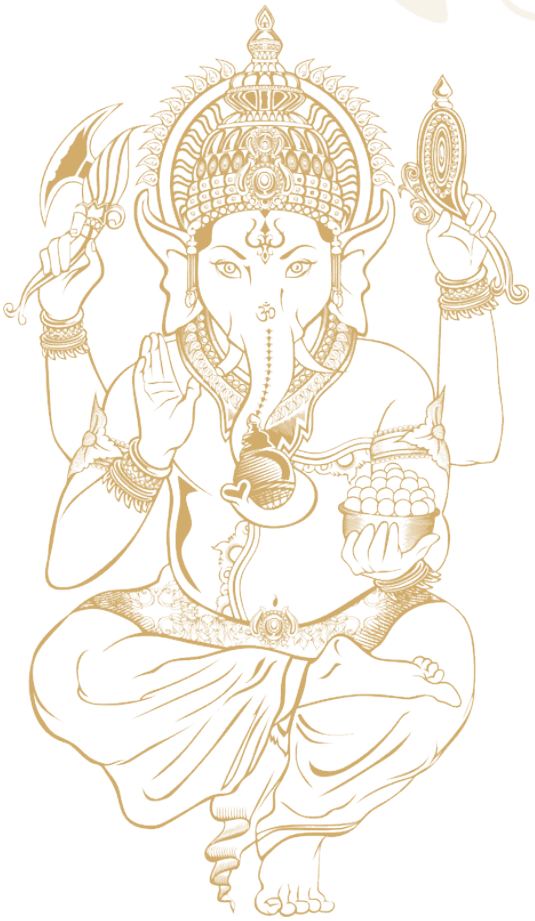

18 Sep 1999

10:05 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121247404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/09/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:05:00 घंटे**
इष्ट	40:03:39 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:47:12 घंटे
वेलान्तर	00:05:37 घंटे
साम्पातिक काल	21:35:49 घंटे
सूर्योदय	06:03:32 घंटे
सूर्यास्त	18:20:14 घंटे
दिनमान	12:16:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:28:15 कन्या
लग्न के अंश	15:20:20 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:20:20	376:08:58	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	01:28:15	00:58:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			धनु	10:48:13	11:57:19	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	16:24:56	00:40:00	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	09:53:56	01:43:16	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	10:08:41	00:04:44	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	26:01:57	00:16:37	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:59:33	00:02:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	18:13:52	00:00:50	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	18:13:52	00:00:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:29:20	00:01:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:54:42	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:08:46	00:01:00	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मक	27:43:22	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

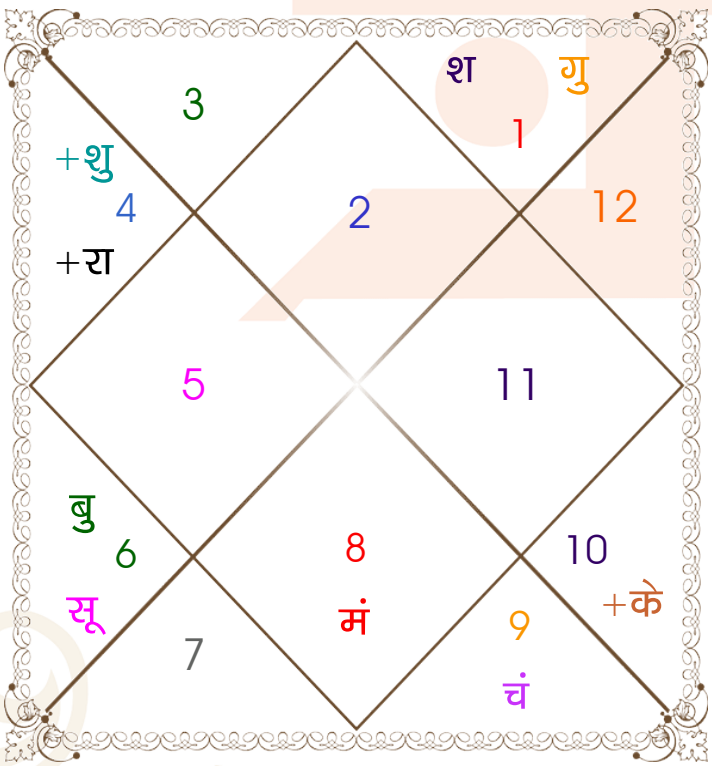

चन्द्र कुंडली

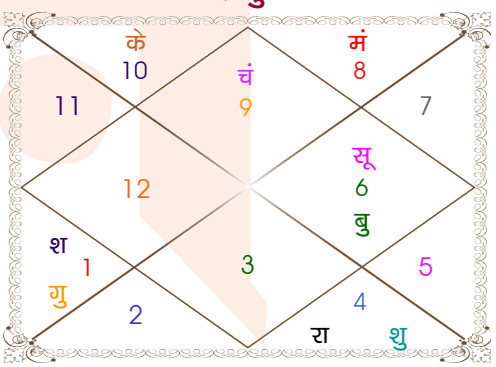

नवमांश कुंडली

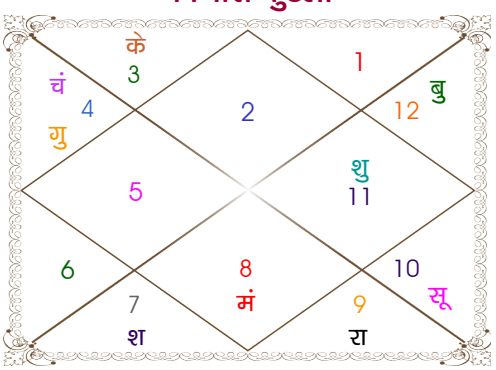

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 3 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/09/1999		16/01/2001		16/01/2021		16/01/2027		16/01/2037	
16/01/2001		16/01/2021		16/01/2027		16/01/2037		16/01/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/05/2004	सूर्य	05/05/2021	चंद्र	16/11/2027	मंगल	14/06/2037
	00/00/0000	सूर्य	17/05/2005	चंद्र	04/11/2021	मंगल	16/06/2028	राहु	02/07/2038
	00/00/0000	चंद्र	16/01/2007	मंगल	12/03/2022	राहु	16/12/2029	गुरु	08/06/2039
	00/00/0000	मंगल	17/03/2008	राहु	03/02/2023	गुरु	17/04/2031	शनि	17/07/2040
	00/00/0000	राहु	18/03/2011	गुरु	22/11/2023	शनि	16/11/2032	बुध	14/07/2041
	00/00/0000	गुरु	16/11/2013	शनि	03/11/2024	बुध	17/04/2034	केतु	10/12/2041
	18/09/1999	शनि	16/01/2017	बुध	10/09/2025	केतु	16/11/2034	शुक्र	09/02/2043
शनि	19/01/2000	बुध	16/11/2019	केतु	16/01/2026	शुक्र	17/07/2036	सूर्य	17/06/2043
बुध	16/01/2001	केतु	16/01/2021	शुक्र	16/01/2027	सूर्य	16/01/2037	चंद्र	16/01/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/01/2044		16/01/2062		16/01/2078		16/01/2097		17/01/2114	
16/01/2062		16/01/2078		16/01/2097		17/01/2114		00/00/0000	
राहु	28/09/2046	गुरु	05/03/2064	शनि	19/01/2081	बुध	14/06/2099	केतु	15/06/2114
गुरु	21/02/2049	शनि	16/09/2066	बुध	29/09/2083	केतु	11/06/2100	शुक्र	15/08/2115
शनि	29/12/2051	बुध	22/12/2068	केतु	07/11/2084	शुक्र	12/04/2103	सूर्य	21/12/2115
बुध	17/07/2054	केतु	28/11/2069	शुक्र	07/01/2088	सूर्य	17/02/2104	चंद्र	21/07/2116
केतु	05/08/2055	शुक्र	29/07/2072	सूर्य	19/12/2088	चंद्र	18/07/2105	मंगल	17/12/2116
शुक्र	05/08/2058	सूर्य	17/05/2073	चंद्र	20/07/2090	मंगल	15/07/2106	राहु	05/01/2118
सूर्य	29/06/2059	चंद्र	16/09/2074	मंगल	29/08/2091	राहु	01/02/2109	गुरु	11/12/2118
चंद्र	28/12/2060	मंगल	23/08/2075	राहु	05/07/2094	गुरु	10/05/2111	शनि	19/09/2119
मंगल	16/01/2062	राहु	16/01/2078	गुरु	16/01/2097	शनि	17/01/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।